वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 359 | शुक्रवार 28 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

महंगाई राहत कैंप का चौथा दिन

10 योजनाओं का कार्ड दे रहा है खुशी की गारंटी

जयपुर में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित स्थाई महंगाई राहत कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंप में व्यवस्थाओं एवं आमजन के लिए मुहैया करवाई गई सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया।

जयपुर. कासं

महंगाई राहत कैंपों के माध्यम से आमजन को संवेदनशील और पारदर्शी तरीके से 10 लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे आमजन की बचत सुनिश्चित, महंगाई से राहत और उनकी सुविधाओं में बढ़त हो रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में गुरूवार को आयोजित कैम्प में आमजन ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और पंजीकरण करवाकर पात्रतानुसार 10 योजनाओं के लाभ की गारंटी प्राप्त की। जयपुर में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित स्थाई महंगाई राहत कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंप में व्यवस्थाओं एवं आमजन के लिए मुहैया करवाई गई सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि गुरुवार को जिले में आयोजित महंगाई राहत कैंप में लाभार्थियों को 2 लाख 6 हजार 948 गारंटी कार्ड जारी किये गए हैं। विगत चार दिनों में जयपुर जिले में कुल 6 लाख 10 हजार 667 गारंटी कार्ड जारी किये जा चुके हैं। अलवर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जिले में आयोजित महंगाई राहत कैंप के चौथे दिन 148 कैंपों का आयोजन किया गया। जिसमें 29 हजार 427 परिवारों को लाभांवित कर 1 लाख 26 हजार 872 मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि मंहगाई राहत कैंपों के तहत जिले में अब तक 4 लाख 41 हजार 219 लाभार्थियों ने पंजीयकरण करवाया है। जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने गुरुवार को अलवर शहर सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे करीब आधा दर्जन से अधिक महंगाई राहत कैम्पों का निरीक्षण किया। सीकर जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि जिले में गुरुवार को आयोजित 67 ग्रामीण व 36 नगरीय कैंपों में 90 हजार 58 परिवार लाभान्वित हुए है। जिनमें ग्रामीण में 52 हजार 895 तथा नगरीय क्षेत्र में 37 हजार 163 परिवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि महंगाई राहत कैम्पों के अर्न्तगत ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में कुल 3 लाख 96 हजार 876 गारंटी कार्ड वितरित किए गए। झुंझुनू जिला कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी ने बताया कि जिले में चल रहे मंहगाई राहत कैम्प में 152 कैम्पों में 58 हजार 797 परिवार लाभान्वित हुए, जिनको 2 लाख 52 हजार 562 गारंटी कार्ड हुए जारी किए गए। दौसा जिला कलक्टर कमर चौधरी ने बताया कि गुरूवार को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित महंगाई राहत कैम्पों में जनप्रतिनिधिगणों ने तथा अधिकारियों ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मुख्यमंत्री गारंटी कार्डो का वितरण कर लोगों को लाभान्वित किया गया। कोटा में जिला कलक्टर ओ पी बुनकर ने गुरूवार को मंहगाई राहत कैम्पों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कुराड तथा कैथून में कैम्पों में पहुंचकर विभिन्न प्रक्रियाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विभिन्न जिलों का ये रहा हाल...

टोंक: राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष किशनलाल जैदिया ने गुरुवार को जिले में महंगाई राहत कैंपों का निरीक्षण कर अतिरिक्त जिला कलेक्टर से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कैंपों में लाभार्थियों के पंजीकरण करवाकर उन्हें मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड सौंपे। **नागौर:** जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने बताया कि गुरुवार को चौथे दिन भी जिले में महंगाई राहत कैम्पों का आयोजन किया गया। जिसमें 100 स्थाई राहत कैम्पों के साथ-साथ ग्राम पंचायतों एवं नगरीय वार्डों में 150 राहत शिविर आयोजित किए गए। कलक्टर समारिया ने जिले के विभिन्न के स्थानों पर लगाए जा रहे करीब आधा दर्जन से अधिक महंगाई राहत कैम्पों का निरीक्षण किया। **भीलवाड़ा:** राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने गुरुवार को मांडल के भावलास तथा करेड़ा के चांदरास में महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण करते हुए लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन कराया, फिर संवाद करते हुए योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि आमजन को महंगाई की मार से अब राहत मिलेगी और परिवार की बचत भी बढ़ेगी। **जोधपुर:** जिला कलक्टर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि जोधपुर जिले में महंगाई राहत कैम्पों के तहत गुरुवार को 125 कैम्पों में 26 हजार 382 परिवार लाभान्वित हुए। जिले में 100 स्थायी कैंप निरंतर रूप से कार्य कर रहे हैं। इनमें शहरी क्षेत्र में 42 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 58 स्थायी कैंप हैं।

संत सुधा सागर बालिका छात्रावास सांगानेर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल के द्वारा धार्मिक शिक्षण शिविर 15 मई से

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर, संत सुधा सागर बालिका छात्रावास सांगानेर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल के संयुक्त तत्वावधान में 15 मई से 25 मई तक आयोजित होने वाले धार्मिक शिक्षण शिविर के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई ।जिसमें पोस्टर का विमोचन महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोडिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुशील छाबड़ा द्वारा किया गया। मीटिंग में सभी संभागों के अध्यक्ष मंत्री और सदस्याएं उपस्थित थी। राजस्थान अंचल धार्मिक मंत्री श्रीमती विनीता जैन बोहरा ने बताया कि यह धार्मिक शिक्षण शिविर जयपुर के विभिन्न मंदिरों में और राजस्थान के अनेक शहरों में गावों में आयोजित किया जा रहा है। शिविर को सुनियोजित तरीके से आयोजित करने के लिए जयपुर शहर को चार भागों में बांट कर प्रभारी बनाए गए हैं। जयपुर पूर्व में श्रीमती पिंकी शाह, जयपुर पश्चिम में श्रीमती विनीता बोहरा, जयपुर उत्तर में श्रीमती विद्युत लुहाडिया, और जयपुर दक्षिण में श्रीमती अंजना जैन को को प्रभारी बनाया गया है।

जे एस जी अरिहंत ने गोशाला में गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप अरिहंत ने समाज सेवा के तहत ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार पाटनी के जन्मदिन के पर अस्मिता पाटनी के सहयोग से गौशाला में गायों को चारा खिलाया। ग्रुप सचिव कमलेश मीनु चाँदवाड ने बताया कि इस अवसर पर जेएसजी अरिहंत परिवार के संस्थापक अध्यक्ष राजीव अनिला पाटनी, कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार रंजीता पापड़ीवाल, अध्यक्ष राजकुमार पायल सोगानी सभी ने साथ मिलकर गलताजी के पीछे गौशाला में गायों को चारा वितरित किया एवं बंदरों को केले एवं चने खिलाएं।

अखिल भारतीय जैन पत्र सम्पादक संघ

सम्मान समारोह

श्री तरुणकुमार जैन

सम्पादक वैज्ञानिक दृष्टिकोण को

विज्ञान पत्रकारिता

के क्षेत्र में विशिष्ट अवदान के लिए

विक्रम साराभाई सम्मान

प्रदान किया जा रहा है।

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

आपके स्वल्पाहार की समुचित व्यवस्था है।

मुख्य अतिथि
न्यायमूर्ति पानाचन्द जैन

विशिष्ट अतिथि
न्यायमूर्ति एन.के. जैन

अध्यक्षता
मिलापचन्द डण्डिया

स्थान
मंगलधाम, टोडरमल स्मारक भवन ए-4 बापूनगर, जयपुर

दिनांक
30 अप्रैल 2023

निवेदक
न्यास अध्यक्ष
मिलापचन्द डण्डिया
महामंत्री
डॉ. अखिल बंसल

समय
सायं 4:30

एवं समस्त ट्रस्टीगण अ. भा. जैन पत्र संपादक संघ - न्यास, जयपुर

हमारे पूजनीय

श्री निर्मल कुमार गोदीका

पुत्र स्वर्गीय श्री भँवर लाल जी गोदीका का देहपरिवर्तन दिनांक 27.4.2023 को हो गया है। **तीये की बैठक** दिनांक 29.4.2023 को **प्रातः 8.30 बजे भट्टारक जी की नसिया** ,छतरीवाला संभाग में होगी। तत्पश्चात घडियों का दस्तूर होगा।

पुष्पा (धर्मपत्नी) श्रवण, महावीर, सत्येन्द्र, प्रदीप (भ्राता)
नीरज-शोभना (पुत्र-पुत्रवधू), कार्तिक (पौत्र), सुनील-सुनीता, धर्मेंद्र-मीना
राजेश-सुमन, टीकम-सिम्मी, शैलेश-अर्चना, अनुज-सपना
चंद्रेश-नीलिमा, केशव-सपना, प्रवीण-रितु, सोनल-एकता, नवीन,
विकास-नीतू, प्रसून-शानू, प्रतीक-सोनिका (भतीजे)
एवं समस्त गोदीका परिवार।
शान्ता देवी (बहन), नीलम-जितेंद्र, नीरा-राकेश (पुत्री-दामाद)
भव्य, अमन, चिरायु (दोहिते), आस्था-शिवम (दोहिती-जंवाई)
ससुराल पक्ष: प्रेमचंद, शरद-सरोज, प्रदीप-पिंकी गंगवाल (हैदरी)
प्रतिष्ठान - श्री अरिहन्त स्टोर्स (9314618318)

अयोध्या जैन तीर्थ के लिए ओम बिरला को निमंत्रण दिया

कोटा. शाबाश इंडिया

शाश्वत भूमि कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध अयोध्या में जैन समाज की सर्वोच्च आर्यिका ज्ञानमती माताजी के निर्देशन व मंगल सानिध्य में आगामी 30 अप्रेल से 7 मई तक अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव होने जा रहा है। इसी आयोजन में माननीय लोकसभा अध्यक्ष जी को आमंत्रित करने हेतु एक विशेष प्रतिनिधि मण्डल ने भेंट की जिसमें अयोध्या पंचकल्याणक कमेटी के प्रमुख पदाधिकारीयो में से उदयभान जैन राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद, दिलीप जैन प्रांतीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद वीरेंद्र जैन संयोजक फागी, राकेश जैन 'चपलमन' राष्ट्रीय मंत्री जैन पत्रकार महासंघ, राजेश जैन (बन्टी), कपिल जैन प्रशासनिक मंत्री सकल जैन समाज कोटा, हेमन्त निर्खी, इन्द्र जैन गोधा, पारस जैन जिला संयोजक जैन पत्रकार महासंघ सहित कोटा नगर के प्रमुख श्रावक उपस्थित रहे।

वेदी शुद्धि, श्रीयागमंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ संपन्न

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। स्वाध्याय भवन स्थित नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में वेदी के जीर्णोद्धार के उपरांत श्रीमद् जिनेंद्र वेदी शुद्धि, श्रीयागमंडल एवं विश्व शांति महायज्ञ अपार उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा। ट्रस्ट अध्यक्ष सोहनलाल गंगवाल ने बताया कि प्रातःकाल वीरांगना जयघोष बैंड की मधुर धुन के साथ भव्य घट यात्रा निकली। महिलाएं सिर पर कलश लिए चल रही थी। पुरुष जयकार करते चल रहे थे। घट यात्रा स्वाध्याय भवन मंदिर पहुंची। प्रतिष्ठाचार्य पदम चंद काला ने मंत्रोचार द्वारा महिलाओं ने शुद्ध जल से वेदी शुद्धि करण किया। इस उपरांत मंडप में सिंगासन पर श्रीजी को विराजमान किया गया एवं दीप प्रज्वलित किया। पदमचंद काला प्रतिष्ठा आचार्य एवं कैलाश चंद शाह के निर्देशन में श्रीयाग मंडल विधान पर विधि-विधान पूर्वक पांच इंद्र- इंद्राणियो ने 5 कलशो की स्थापना की। वाद्य यंत्रों की मधुर धुन में रोम-रोम में बसे मेरे नेमिनाथ गीत पर विधान की शुरूआत की गई। इंद्र- इंद्राणियो ने संगीत की स्वर लहरियों में नृत्य कर माहौल को धर्ममय बनाया। विधान में तीर्थंकर पूजा, भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्य काल, विदेह क्षेत्र 20 तीर्थकरो, आचार्य परमेष्ठी 36 गुणों की, उपाध्याय परमेष्ठी 24 गुणो, साधु परमेष्ठी, 48 सिद्धिधारी मुनिजनो की पूजा की गई। विधान में 250 अर्घ समर्पण किए गए। इस उपरांत बैंड बाजों की मधुर धुन में इंद्रो ने सभी प्रतिमाओं को अपने सिर पर रखकर मंदिर पहुंचे। जहां प्रतिष्ठाचार्य ने ने मंत्रोचार द्वारा विधि- विधान पूर्वक सभी प्रतिमाओं को वेदी में विराजमान किया। जयकारों से सारा वातावरण गूंज उठा।

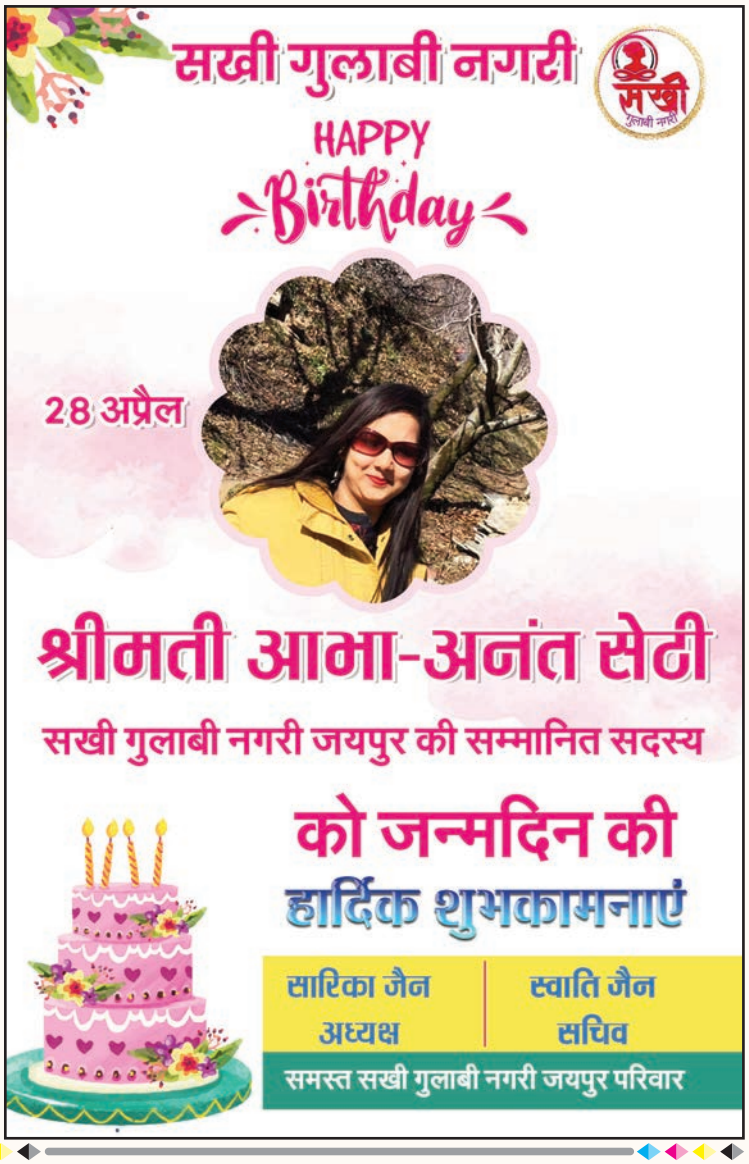

वेद ज्ञान

अंतर्निहित ऊर्जा की पहचान

प्रत्येक व्यक्ति अथाह वैचारिक और बौद्धिक सामर्थ्य का पुंज है, भले ही उसे यह ज्ञात न हो। एक औसत मस्तिष्क में लगभग बारह अरब न्यूरॉन (मस्तिष्क कोशिकाएं) बताए गए हैं और प्रत्येक न्यूरॉन पच्चीस हजार अन्य न्यूरॉनों से तादात्म्य बना सकता है। यह क्षमता विश्व के विशालतम सुपर कंप्यूटर से कई गुना अधिक है। मनुष्य की अपार क्षमता के कारण धर्मग्रंथों में कहा गया कि सभी जीवों में मनुष्य का स्थान सर्वोपरि है। स्वयं में अंतर्निहित ऊर्जा के इस विपुल भंडार को नहीं पहचानने और इसे दोहन न कर सकने का कारण मात्र अज्ञान नहीं, बल्कि विश्व, राष्ट्र, समुदाय और परिवार में अपनी भूमिका को नहीं समझना है। जब हम यह जान जाएंगे तो हमारे समक्ष प्राकृतिक विधान के अनुरूप एक स्पष्ट अभिलाषा होगी और हम सद्गति के पात्र होंगे। प्रभु ने मनुष्य को पृथ्वी में इस निमित्त नहीं भेजा है कि वह हर दिन सुख-सुविधाओं के जोड़तोड़ में रहे। सुविधायुक्त जीवन की अभिलाषा उस मार्ग से विपथ होना और उस दायित्व से मुंह मोड़ना है जो उसके लिए निर्धारित है। अपने खाने-रहने की व्यवस्था तो निम्नतर श्रेणी के जीव भी कर लेते हैं। जिस परमशक्ति के हम अंश हैं उसने हमें अथाह सामर्थ्य इसलिए नहीं प्रदान की कि दैहिक इच्छाओं की तुष्टि से इतर हमें कुछ न सूझे। हमसे प्रभु की कई अपेक्षाएं हैं। वही मानवीय अभिलाषा सार्थक होगी जो प्रभु द्वारा रचित, नियामित व्यवस्था को संवारने में योगदान करे, परिजनों और अन्य सहचर प्राणियों से जुड़ाव, सद्भाव, प्रेम आदि रचनात्मक भावों को सिंचित व सुदृढ़ करे। नए मकान की खरीद, संतान को अच्छी सैलेरी मिलना या देश-विदेश में संपदा जुटाने पर इतराना प्राकृतिक विधान के प्रतिकूल और संकीर्ण सोच का परिचायक है। हमारे आदि ग्रंथों और पाश्चात्य दर्शन में भौतिक इच्छाओं की दुखांत परिणति का बारबार उल्लेख है। अमेरिकी विचारक अलबर्ट पाइक के अनुसार 'जो हम अपने लिए करते हैं वह हमारे साथ नष्ट हो जाता है, किंतु जो हम दूसरों और दुनिया के लिए करते हैं वह अमर हो जाता है।' निजी तुष्टीकरण का भाव हावी होने से हम प्रभु के विधान में सहयोग करने में अक्षम, अशांत और क्षुब्ध रहेंगे और हमारी आत्मा प्रफुल्लित नहीं होगी। यह भी आवश्यक नहीं कि भौतिक वस्तुओं की मिल्कियत हमें सुख दे।

संपादकीय

अंतरिक्ष में बढ़ती शक्ति...

छले दिनों केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 को मंजूरी प्रदान की। इसके अनुसार अंतरिक्ष अनुसंधान एवं निर्माण संबंधी कार्य भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संचालित किए जाएंगे। साथ ही अंतरिक्ष उत्पाद एवं सेवा संबंधी गतिविधियां जैसे उपग्रह निर्माण तथा उपग्रह प्रक्षेपण आदि कार्यों के लिए निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा। यानी विकसित देशों की तरह अब भारत का निजी क्षेत्र भी न सिर्फ उपग्रह निर्माण में सहयोग करेगा, बल्कि अपने निजी प्रक्षेपण स्टेशन भी विकसित कर सकेगा। वर्ष 2020 में ही सरकार ने उपग्रहों की स्थापना और संचालन के क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति निजी क्षेत्र को दी थी, जिसके परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षों में देश में लगभग 150 स्टार्टअप्स की वृद्धि हुई है। अब इस क्षेत्र को निजी निवेशकों

के लिए और अधिक आकर्षक बनाने की पहल नई अंतरिक्ष नीति में की गई है। इसके लिए विभागवार बिजनेस माडल विकसित किए गए हैं, जो उपग्रह निर्माण, राकेट एवं प्रक्षेपण स्टेशन बनाना, डाटा संग्रह और प्रसार आदि कार्यों को संचालित करेंगे। इससे न सिर्फ इस क्षेत्र में नए बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्टअप और उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। जाहिर है तेजी से चमक बिखेरता अंतरिक्ष विज्ञान भारतीय अर्थव्यवस्था में नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है, जो अंतरिक्ष अर्थशास्त्र के विकास को एक नई उड़ान प्रदान करेगा। वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में अभी भारत का योगदान चार प्रतिशत से भी कम है, जिसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने में यह नीति एक मील का पत्थर साबित होगी। स्वदेशी उपग्रह के निर्माण और उपग्रह प्रक्षेपण की कम तुलनात्मक लागत के कारण वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2017 में इसरो ने कीर्तिमान स्थापित करते हुए 104 उपग्रहों को एक साथ अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था, जिसमें 101 स्वदेशी उपग्रह थे। इस उपलब्धि के कारण भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण करने वाले पसंदीदा देश के रूप में उभरा है। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार 2010 तक हर साल करीब 60 से 100 सेटेलाइट लांच किए जाते थे। हाल के वर्षों में इसमें तेजी आई है। वर्ष 2020 में 1,283 उपग्रह लांच किए गए। कुछ दशक पहले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में कुछ ही देशों का वर्चस्व था। भारतीय विज्ञानियों की मेहनत एवं दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि इस मोर्चे पर भारत अब विकसित देशों के साथ खड़ा है। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के अनुसार वर्ष 2020 में भारत का अंतरिक्ष बाजार 9.6 अरब डालर था, जो सरकार एवं निजी सहभागिता से 2025 तक बढ़कर 13 अरब डालर हो जाएगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 2020 में 450 अरब डालर की थी, जो 2025 तक बढ़कर 600 अरब डालर होने की संभावना है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आखिरकार पंजाब पुलिस की गिरफ्त में आया अमृतपाल सिंह

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह आखिरकार पंजाब पुलिस की गिरफ्त में आ गया। इस तरह एक महीने से अधिक समय से दोनों के बीच चल रहा चूहे-बिल्ली का खेल समाप्त हो गया। पंजाब सरकार अब अपने कंधे थपथपा रही है कि उसने शांति भंग करने वालों पर नकेल कसने में कामयाबी हासिल की है। जबकि अमृतपाल ने कहा कि उसने आत्मसमर्पण किया है। अमृतपाल पिछले करीब छह महीने से ''वारिस पंजाब दे'' नामक संगठन के जरिए खालिस्तान के समर्थन में लोगों को उकसा रहा था। इस बात के भी प्रमाण उजागर थे कि उसे ब्रिटेन में बैठे खालिस्तान समर्थकों से मदद मिल रही थी। पंजाब में अपना जनाधार मजबूत करने के लिए अमृतपाल ने गुरुग्रंथ साहब की आड़ ली और सिख धर्म की रक्षा का नारा बुलंद किया था। इस तरह उसने अच्छी संख्या में युवाओं को अपने साथ खड़ा कर लिया था। उसकी ताकत तब समझ में आई जब उसके एक समर्थक को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने हथियारबंद होकर अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। आखिरकार उसके उस समर्थक को छोड़ना पड़ा था। मगर अमृतपाल तभी से पंजाब पुलिस की नजर में चढ़ गया था। अजनाला की घटना के बाद वह इतना उद्दंड हो गया था कि खुलेआम केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को चुनौती देने लगा था। आखिरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब पुलिस को उसकी गिरफ्तारी में मदद की और पुख्ता रणनीति के तहत उसे पकड़ने की कोशिश की गई। मगर पुलिस को चकमा देकर अमृतपाल भाग निकला और करीब पैंतीस दिनों तक छिपता फिरा। फिर पंजाब के मोगा जिले के रोडे गांव के गुरुद्वारे में उसके होने की सूचना मिली और बिना किसी कवायद के वह पकड़ा गया। अमृतपाल के सभी प्रमुख समर्थक पकड़े जा चुके हैं। इस तरह उसके पकड़े जाने के बाद अब खालिस्तान के समर्थन में भड़काई जा रही चिनगारी के शांत पड़ जाने की उम्मीद की जा रही है। पंजाब सरकार ने भी चेतावनी दी है कि जो भी राज्य में शांति भंग करने का प्रयास करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और वहां सुरक्षा-व्यवस्था के मामले में किसी भी तरह की कोताही किसी बड़ी आतंकी साजिश को हवा दे सकती है। ऐसे में अमृतपाल वहां अलगाववादी आंदोलन भड़काने की कोशिश कर रहा था, फिर भी पंजाब पुलिस उस तरह सख्ती बरतती नजर नहीं आई थी, जैसी अपेक्षा की जाती है। क्या वजह थी कि अजनाला थाने पर हमले के बाद भी उसे निर्भय घूमते रहने का मौका दिया गया और वह पत्रकारों को साक्षात्कार दे रहा था। फिर जब पुलिस अमृतपाल को पकड़ने के लिए सक्रिय हुई, तब भी वह कैसे पुलिस घेरे के भीतर से भाग निकला, इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिल सका है। पैंतीस दिनों तक वह लुकाछिपी का खेल खेलता रहा। कभी कहीं किसी सीसीटीवी में वह नजर आ जाता, तो कभी कहीं। जबकि उसे पकड़ने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबल और पंजाब पुलिस मिल कर तलाशी अभियान चला रहे थे। कैसे उस तक पहुंचने में उनका खुफिया तंत्र इतने समय तक नाकाम रहा। अच्छी बात है कि अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद पंजाब में किसी तरह का बड़ा उपद्रव नहीं हुआ। इससे यह स्पष्ट है कि अमृतपाल का कोई बड़ा जनाधार था भी नहीं। मगर इसका अर्थ यह नहीं कि पंजाब सरकार को इतने भर से संतोष कर लेना चाहिए। सतत निगरानी रखनी पड़ेगी कि उसकी सुलगाई चिनगारी फिर न धधकने पाए।

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के दस वर्ष पूर्ण

दशक ए शाबाश-पल पल दिल के पास में गूंजे तराने

11वे स्थापना दिवस पर शाबाश इंडिया विशेषांक का हुआ विमोचन, भव्य बॉलीवुड नाइट

जयपुर. शाबाश इंडिया

लोकप्रिय समाचार पत्र शाबाश इंडिया के सकारात्मक सोच के साथ सफलतापूर्वक दस वर्ष पूर्ण कर गौरवशाली 11वें वर्ष में प्रवेश करने के मौके पर ''**दशक ए शाबाश पल पल दिल के पास**'' भव्य बॉलीवुड नाइट का आयोजन बुधवार, 26 अप्रैल को धूमधाम से किया गया। इस मौके पर शाबाश इण्डिया समाचार पत्र के 11 वें वर्ष के अंक का विमोचन भी किया गया। प्रधान सम्पादक राकेश -समता गोदिका ने बताया कि सी - स्कीम स्थित महावीर स्कूल के महावीर सभागार में सायं 7:30 बजे से आयोजित हिन्दी गानों पर आधारित भव्य बॉलीवुड नाइट में ख्यातनाम गायक कलाकारों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ समता गोदिका तथा अद्विता द्वारा मंगलाचरण तथा समाजसेविका गुणमाला देवी गंगवाल तथा अन्य अतिथियों द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

समारोह में सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायाधिपति नरेन्द्र कुमार जैन समारोह गौरव, प्रसिद्ध समाजसेवी ए आर एल ग्रुप के नन्द किशोर प्रमोद पहाड़िया मुख्य अतिथि, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी समारोह अध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र पाण्डया, दैनिक समाचार जगत के संपादक शैलेंद्र गोधा, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी विशिष्ट अतिथि, समाजसेवी राजीव -सीमा जैन गाजियाबाद विशेष अंक विमोचनकर्ता तथा दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल गौरवमयी अतिथि के रूप में शामिल हुए। शाबाश इंडिया परिवार की ओर से बाबू लाल गोदीका, राकेश गोदीका, दिनेश गोदीका, दिनेश गंगवाल, राजेश गंगवाल,ज्ञान चंद झांझरी, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष बैद,दर्शन बाकलीवाल, विनोद सोगानी, पदम बिलाला, राजेश बड़जात्या,पी सी छाबड़ा, रवि प्रकाश जैन, संजय छाबड़ा, सुनील पहाड़ियां, डॉ राजीव जैन, समता गोदिका, मीतू गोदिका, रचिता-सिद्धार्थ खुटेटा, सक्षम - आरुषि गोदिका, महेंद्र सिंघवी, कमल ठोलीया, अनिल रावका, सुधीर गोधा, राकेश संघी, चक्रेश जैन, डॉक्टर राजेंद्र जैन, संजय जैन पूर्व अध्यक्ष भाजपा जयपुर शहर आदि ने अतिथियों का तिलक, माला, दुपट्टा, साफा पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया।

समता गोदीका ने शाबाश इण्डिया समाचार पत्र के दस वर्षों के सफर पर प्रकाश डाला। राकेश गोदीका ने स्वागत उदबोधन देते हुए दस साल के सफर के सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों एवं उपस्थित दर्शकों का शब्दों के माध्यम से स्वागत किया।

समारोह में शाबाश इंडिया समाचार पत्र के 11वे स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद, एवं

अतिथियों ने किया। इस मौके पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बालीवुड नाइट में अन्तर्राष्ट्रीय गायक एबीसीएल फेम संजय रायजादा, ए आर रहमान फेम डॉ गौरव जैन सोगानी, सोनी टीवी गुरुकुल फेम दीपशिखा जैन, समता गोदिका ने पुरानी फिल्मों के गीत सुनाकर दर्शकों की तालियां बटोरी। संचालन अंताक्षरी फेम प्रसिद्ध एंकर रतिका जैन एवं मनीष बैद ने किया।

इस मौके पर रचिता खुटेटा तथा आरुषि गोदिका ने कविता के माध्यम से राकेश -समता गोदिका का मान बढ़ाया।

समारोह में चौबीस घंटे लगातार बोलकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले मोटिवेशनल स्पीकर सौरभ जैन को भी शाबाश इण्डिया परिवार की ओर से सम्मानित किया गया।

शाबाश इंडिया परिवार की ओर से अखबार की प्रिन्टिंग, सैटिंग व तैयार करने में सहयोग प्रदान करने वाले मोहम्मद अकरम, करतार सिंह आदि कार्मिकों को भी सम्मानित किया गया। अंत में केक कटिंग सेरेमनी के साथ बालीवुड नाइट व विमोचन समारोह का समापन हुआ। राकेश गोदीका ने सभी अतिथियों, गायक कलाकारों, सहयोगियों, दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इस मौके डॉ जी सी सोगानी, उत्तम कुमार पाण्डया, भागचंद जैन मित्रपुरा, राकेश छाबड़ा, धीरज पाटनी,प्रदीप बाकलीवाल, नरेश खुटेटा, राजेश पाटनी, विनोद तिजारिया, अनिल संघी, रेणु राका, राकेश गोधा,ऋतु कासलीवाल, मोहनलाल गंगवाल, डॉक्टर मनीष जैन, मनीष लोंग्या, विनोद पाटनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

@... पेज 6, 7, 8

दशक ए शाबाश-पल पल दिल के पास

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के दस वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह की झलकियां

दशक ए शाबाश-पल पल दिल के पास

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के दस वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह की झलकियां

दशक ए शाबाश-पल पल दिल के पास

शाबाश इंडिया समाचार पत्र के दस वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह की झलकियां